आर.एन.आई.नं. RAJBIL/2010/52404

सेवा सौभाग्य

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं, विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्ण शुभाङ्गम्।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्य्, वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम् ॥

पू. कैलाश जी 'मानव'
मूल्य » 5 वर्ष » 13 अंक » 149 मुद्रण तारीख » 1 मई 2024 कुल पृष्ठ » 24

बेबस-लाचार मासूमों तक पहुंची संस्थान की मदद

सोमवार
17 जून
2024
पुण्य प्रतापी–महाकल्याणी
निर्जला
एकादशी
पर मानव सेवा कर
परमार्थ का पुण्य पाएं
एक ऑपरेशन
सहयोग
₹5000
narayanseva@sbi
Follow us on
/nssudaipur
/narayansevasansthan
/@narayanseva_
narayansevasansthan

मूल्य » 5 वर्ष » 13 अंक » 149 मुद्रण तारीख » 1 मई 2024 कुल पृष्ठ » 24

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva

सेवा सौभाग्य

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालयः 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत
» फोन नं. +91-294-6622222, वाट्सऐपः +91-7023509999

इस माह सेवा अंक

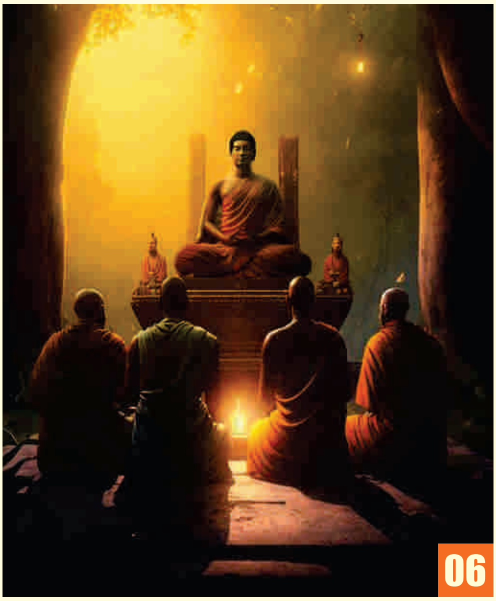
06

07

08

11

16

सम्पादक मंडलः मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल, सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग » विष्णु शर्मा हितैषी-भगवान प्रसाद गौड़, डिजाइनर » विरेन्द्र सिंह राठौड़

Seva Soubhagya Print Date 1 May, 2024 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

पीड़ितों की सेवा भी तीर्थ वंदन

–'सेवक' प्रशांत भैया

मानव जीवन बड़े ही पुण्यों से प्राप्त होता है, शास्त्र-पुराण भी यही कहते हैं। पुण्य कार्य करने से मरणोपरांत जीव को विभिन्न योनियों में भटकते हुए सन्ताप नहीं झेलना पड़ता और उसका मानव रूप में प्रकटीकरण हो जाता है। मनुष्य सभी प्राणियों में सबसे विवेकशील है। अतएव मानव योनि में जन्म लेकर उसे अगला जन्म सार्थक करने के भी प्रयास करने चाहिए, यदि वह अन्तिम क्षण तक पारिवारिक और सामाजिक दायित्वों के निर्वाह के साथ पीड़ितों और असहायों की सेवा में लगता है, तो इससे बढ़कर और कोईसौभाग्य हो नहीं सकता। आप और हम सभी इस बात को जानते हैं कि नर की सेवा ही नारायण की सेवा है। किसी दु:खी,अपाहिज,रोगी और नि:सहाय की सेवा जब नि:स्वार्थ भाव से की जाती है,तो उस व्यक्ति के मन में सेवा करने वाले के प्रति स्नेह और आदर का भाव स्थायी रूप से बन जाता है। सेवा करने वाले का व्यक्तित्व भी व्यापक होकर आत्म संतोष पाता है। किसी पीड़ित, दीन-दु:खी की सेवा करना तीर्थ वंदन से कम नहीं है। तप करना सरल हो सकता है लेकिन नि:स्वार्थ भाव से सेवा करना कठिन है। तप में केवल अपने मन को ही वश में करना होता है,जब कि सेवा में दूसरों के मन को भी जीतना होता है। आप श्रीमान् धन्य हैं, जो सेवा के यज्ञ में लगातार सहयोग की आहुति देकर जीवन को सार्थक बना रहे हैं।

एक दिन एक महानुभाव सवेरे टहल कर अपनी कुटिया पर लौटे। कुटिया के बाहर एक व्यक्ति बेसुध पड़ा था। शरीर के कुछ अंगों से मवाद बह रहा था। वह कुष्ठ रोगी था। महानुभाव को देख रोगी धीमी आवाज में बोला- 'मैं आपके दरवाजे पर शांतिपूर्वक मरने के लिए आया हूं।' रोगी की हालत से महानुभाव का हृदय द्रवित हो उठा। पर वे उसे आश्रय कैसे देते, कुटिया में तो और भी लोग रहते थे। महानुभाव के मन में अर्न्तद्वंद्व का संघर्ष छिड़ गया। एक तरफ सेवा का व्रत था तो दूसरी ओर कई लोगों की जिन्दगी। कुछ देर मन में संघर्ष चलता रहा। आखिर जीत सेवा भाव की हुई। महानुभाव ने साथियों की मदद से कुटिया को खाली करवा कर उसमें रहने वालों के लिए अलग प्रबंध किया और कुष्ठ रोगी को कुटिया में स्थान देकर नियमित उसकी सेवा करने लगे। उसके घाव धोए,मवाद साफ किया, कपड़े बदले,दवा लगाई। रोगी अपनी आयु पूर्ण होने तक वहां रहा और परम शांति के साथ मृत्यु को प्राप्त हुआ।

बंधुओं! ये महानुभाव थे-महात्मा गांधी जिनके लिए मानव सेवा सर्वोपरि धर्म था। रोगी थे संस्कृत के प्रकाण्ड विद्वान- श्री परचुरे शास्त्री। सेवा के इसी अभियान ने गांधी को महात्मा बना दिया।

सुख का मार्ग सेवा

हमारी सेवा से कोई जीवन संवरता है तो, हमारे मार्ग की कठिनाइयां भी स्वतः हट जाती हैं। प्रभु की कृपा उन्हीं पर बरसती है जो दूसरों के दुःख को अपना बनाकर उनके आंसू पोंछते हैं।

असहाय की सहायता के लिए हाथ बढ़ाना ही मानव धर्म है। हमारी सेवा से किसी का कष्ट कम होता है, शांति मिलती है, उसका काम आसान हो जाता है तो - यही ईश्वर की पूजा भी है। जिस जीव को आपकी सेवा से सुख की प्रतीती होती है, वह जीवात्मा परमात्मा का ही अंश है। हमारे वेद-पुराण, उपनिषद् और ऋषि -महर्षि भी कहते हैं कि प्राणी मात्र में ईश्वर का ही अंश है। व्यक्ति का पुण्य हमेशा उसके साथ ही रहता है। हमारी सेवा से यदि कोई जीवन संवरता है तो, हमारे मार्ग की कठिनाइयां भी स्वतः हट जाती हैं। प्रभु की कृपा उन्ही पर बरसती है जो दूसरों के दुःख को अपना बनाते हैं, उनके आंसू पोंछते हैं। सेवा धन से ही हो, यह जरूरी नहीं है। तन, मन, वाणी और समय दान से भी सेवा का व्रत पूर्ण किया जा सकता है। अपनी मुस्कराहट मात्र से भी आप किसी का दुःख दूर कर सकते हैं। सेवा कार्य के लिए सेवक चुनने की प्रभु की विधि भी रोचक और रोमांचक है। यदि आपके मन में सेवा करूणा और संवेदना है,तो प्रभु सेवा मार्ग के प्रशस्तीकरण के लिए स्वयं आपके साथ हो जाएंगे। आपके इस सेवा संस्थान का पहला पोलियो हॉस्पीटल इसी अनुभव के साथ खड़ा हुआ। बात 80 के दशक की है, पाली जिले के बिजोवा गांव में प्रेरणा-स्त्रोत पूज्य राजमल जी जैन भाई सा. द्वारा निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया था, मुझे भी संदेश मिला। जिसे पाकर निहाल हो उठा लेकिन यहां तो ईश्वर ने भाई सा. के माध्यम से सहृदयी सेवाभावी उद्यमी श्री चैनराज जी सा लोढ़ा के दर्शन करवा दिए। जिन्होंने संस्थान की प्रारंभिक सेवाओं से प्रभावित होकर अपनी ओर से प्रथम पोलियो अस्पताल की स्थापना में सहयोग का प्रस्ताव दिया।

इस अनायास प्रस्ताव से मेरी आंखों से अश्रुधारा बह निकली। मैंने उनके चरण-र्स्पश कर उन्हें उदयपुर पधारने का आमंत्रण दिया। इस प्रकार सेवा यात्रा का कारवां आगे बढ़ा। आज इस अस्पताल के माध्यम से लाखों निःशक्तजन अपने पांवों पर खड़े हो चुके हैं। इसके बाद तो संस्थान में सेवा के कई प्रकल्प ईश्वर की कृपा और आप महानुभावों के सहयोग से फलीभूत हो रहे हैं। कहने का अभिप्रायः है कि मन में सेवा का भाव बने रहना चाहिए, यही जीवन को सार्थक करेगा।

-श्री कैलाश 'मानव'

प्रत्येक वस्तु मूल्यवान और उपयोगी

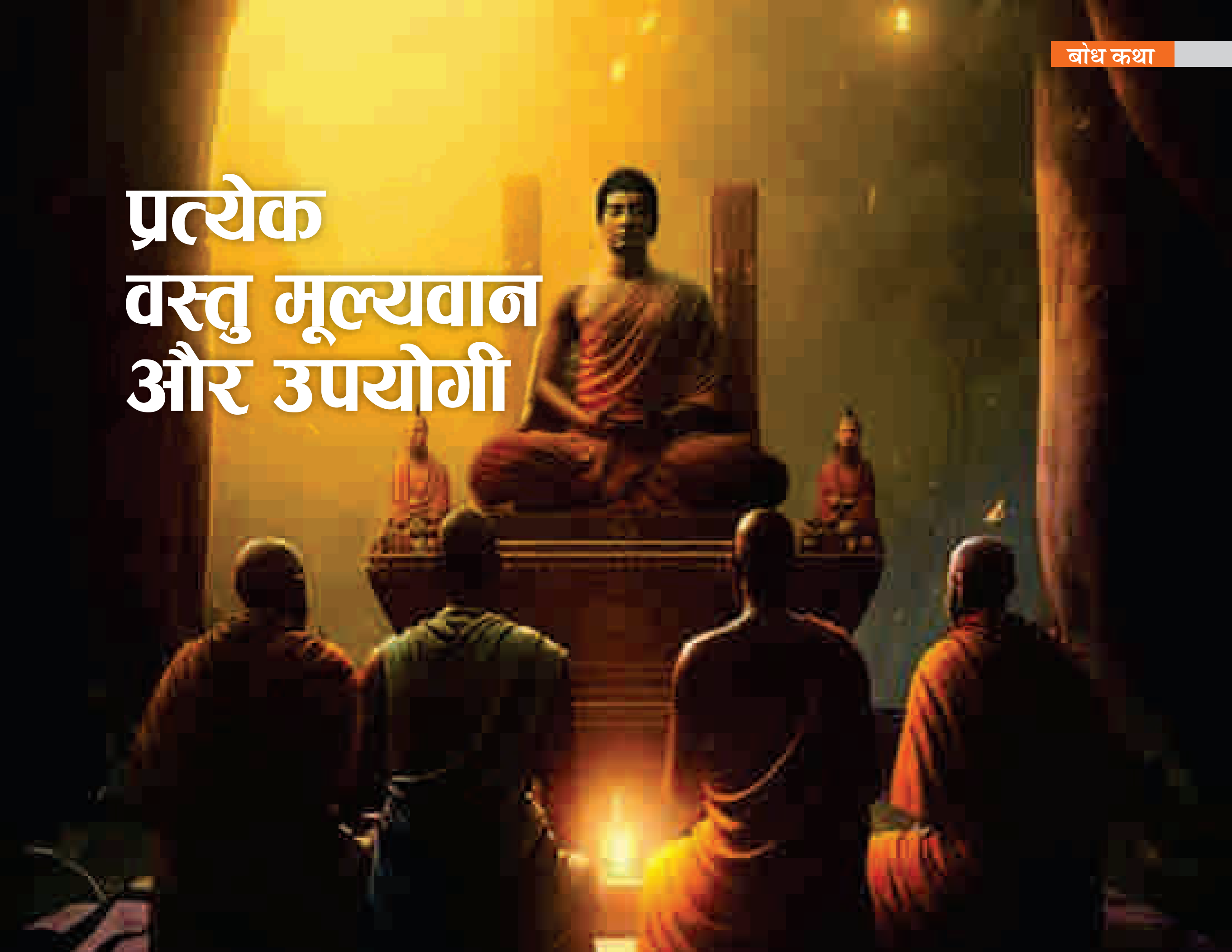

गौतम बुद्ध रोज की भांति अपने आश्रम में भक्तों को प्रवचन दे रहे थे। प्रवचन समाप्ति के पश्चात एक भक्त उनके पास आया और कहा, 'प्रभू! मुझे आपसे कुछ कहना है।' बुद्ध ने कहा, 'कहो।' भक्त ने हाथ जोडक़र कहा, 'प्रभु मेरे वस्त्र बहुत पुराने हो चुके हैं। पहनने योग्य नहीं रहे। मुझे नए वस्त्र दिलवाने की कृपा करें।' बुद्ध ने देखा कि वस्त्र वाकई बहुत पुराने हो चुके थे और पहनने योग्य नहीं थे। एक शिष्य को उसे नए वस्त्र देने को कहा। भक्त नए वस्त्र लेकर चला गया। कुछ दिन बाद उन्होंने भक्त से पूछा कि नए वस्त्र सुविधापूर्ण तो हैं न। इसके अलावा उसे किसी अन्य वस्तु की आवश्यकता है? धन्यवाद देते हुए भक्त ने कहा, 'प्रभु में इन वस्त्रों में बहुत आराम से हूं। अभी किसी और वस्तु की आवश्यकता नहीं है।'

बुद्ध ने उससे पूछा कि उन पुरानें वस्त्रों का क्या किया? भक्त ने कहा कि वह पुरानें वस्त्र को ओढ़नी की तरह इतेमाल कर रहा है। बुद्ध ने कहा कि तो तुमने पुरानी ओढ़नी का क्या किया? भक्त ने कहा कि घर के परदे घिस गए थे। इसलिए पुरानी ओढ़नी का परदे की तरह उपयोग कर रहा है। बुद्ध ने फिर पूछा कि क्या उसने पुराने परदे को फेंक दिया? भक्त ने कहा, 'नहीं प्रभु। मैं उस परदे के टुकड़े कर उससे गर्म पतीलों को चूल्हे से उतारने के लिए इस्तेमाल कर रहा हूं।' इस पर बुद्ध ने फिर कहा कि तब तो तुमने उस पुराने कपड़े के टुकड़े को फेंक दिया होगा? 'नहीं प्रभु, अब मैं उस टुकड़े से रसोई में पोछा लगाता हूं।' तो फिर पहले वाले पुराने पोछे का तुमने क्या किया? भक्त ने कहा, 'प्रभु वह तार-तार हो चुका था। अब वह किसी इस्तेमाल का नहीं था। लेकिन मैने उस फटे हुए कपड़े के टुकड़े से एक-एक धागा निकाल कर अलग कर लिया। फिर उन धागों से बत्तियां तैयार कर लीं। उन्हीं बत्तियों में एक से मैंने कल आपके कक्ष में प्रकाश किया था। बुद्ध यह जानकर बहुत प्रसन्न हुए कि उनके भक्त में यह समझ थी कि कोई भी वस्तु बेकार नहीं होती। बस, उसका उचित उपयोग करने की समझ होनी चाहिए।

बेबस-लाचार मासूमों तक पहुंची संस्थान की मदद

माँ और दादी की कुछ ही महीने पहले मौत हो गई और कुछ दिन पूर्व पिता भी चल बसे। नब्बे वर्ष के दादाजी भी खाट से उठ नहीं सकते। इस नियती को भोगने के लिए अब बेबस और लाचार हैं- पायल (6), दीपक (4) और तीन वर्ष का विक्रम। उदयपुर जिले के आदिवासी गांव गातोड़ में 4 अप्रैल को भेरा मीणा (35) की बीमारी से मौत के बाद अब ये बच्चे ईश्वर और समाज के ही भरोसे हैं। कच्चे केलूपोश मकान में रोते-रोते इन बच्चों के आंसू ही सूख गए। बच्चों की यह हालात निढाल दादा की बैचैनी और बढ़ा रही है। दादा ने वृद्धावस्था के लिए पेंशन की राशि भी बेटे के ईलाज में लगा दी थी। समाज इनकी सहायता के लिए आगे आया है। संस्थान को जानकारी मिलते ही बच्चों के लिए पोषक राशन व कपड़ों की व्यवस्था की गई और आगे भी सहायता के लिए आश्वस्त किया गया।

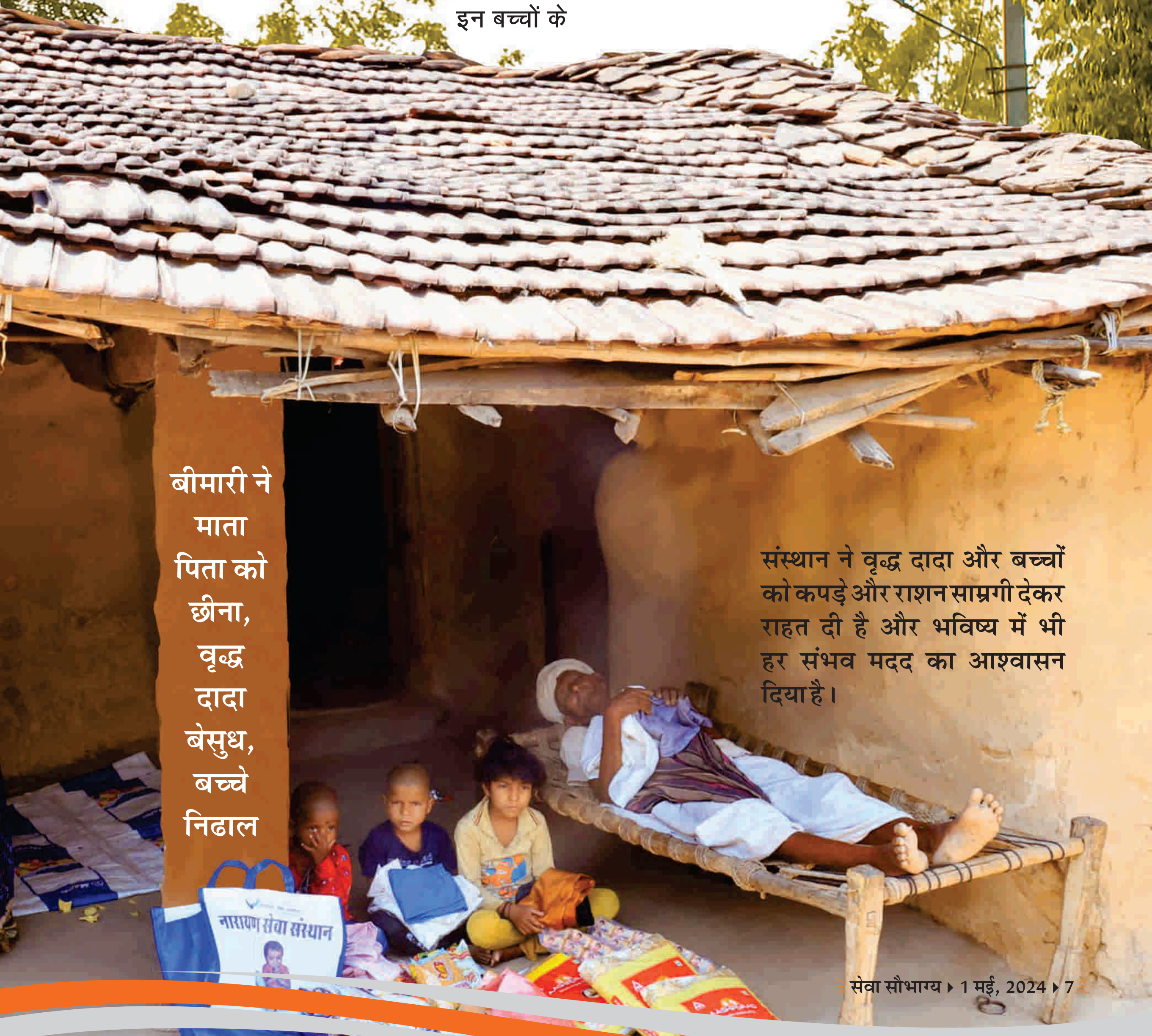

बीमारी ने माता पिता को छीना, वृद्ध दादा बेसुध, बच्चे निढाल

संस्थान ने वृद्ध दादा और बच्चों को कपड़े और राशन सामग्री देकर राहत दी है और भविष्य में भी हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

दिव्यांगता का दंश दे गया 'दीया'

मध्यप्रदेश के पन्ना जिले के गांव गढ़ी-पड़रिया निवासी फूला खुसवाल (25) घर में बत्ती गुल होने से चिमनी (लोहे की डिब्बी का दीपक) जलाए कामकाज निपटा रही थी। इधर-उधर आते-जाते ठोकर लगने से चिमनी लुढ़क गई और मिट्टी का तेल उसके दाएं पांव पर पड़ने से कपड़ों ने आग पकड़ ली। हादसा गंभीर होता उससे पहले उसके चीखने पर भाई ने आकर कपड़ों की आग को बुझा दिया, लेकिन पांव बुरी तरह झुलस गया। अस्पताल में एक माह इलाज चला, किन्तु फफोलों में संक्रमण के कारण पांव में विकृति आ गई। पांव पंजे तक ऐसा मुड़ा की चलना-फिरना कठिन हो गया। आसपास के अन्य अस्पतालों में इलाज हुआ, किन्तु राहत नहीं मिली। दैनन्दिन कार्य के साथ स्कूल आना-जाना भी प्रभावित हो गया। इसी दौरान मां चल बसी। पिता और भाई ने उसे दु:ख का अहसास न हो, इसकी हर संभव कोशिश की। गाँव के ही एक व्यक्ति द्वारा नारायण सेवा संस्थान में नि:शुल्क उपचार, उपकरण, कैलीपर, कृत्रिम अंग की जानकारी मिलने पर फूला इसी वर्ष फरवरी में भाई के साथ संस्थान आई। जहां विशेषज्ञ चिकित्सक ने जांच कर सर्जरी को तो कारगर नहीं माना लेकिन उसके लिए ऐसा कैलीपर तैयार करवाया, जिससे वह पैरों पर आसानी से खड़ी होकर चलने लगी। यहीं उसे आत्मनिर्भर बनाने के लिए नि:शुल्क सिलाई का तीन माह का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

चलने लगी फूला और सीख रही सिलाई

फूला दस वर्ष पूर्व झुलस जाने के कारण एक पांव की विकृति को लेकर काफी दुखी थी। पंजे की विकृति से उसके लिए ठीक से चल पाना दुभर था। लेकिन पिछले दिनों संस्थान में बनाए गए सुविधाजनक कैलीपर से उसकी तकलीफ काफी हद तक दूर हो गई है और वह खुश है।

सौरभ को मिला सहारा

जयनगर (कोलकाता) निवासी सौरभ हलघर (25) एक ट्रेन दुर्घटना में वर्ष 2023 में गंभीर रूप से जख्मी हो गए। संक्रमण के चलते उपचार के दौरान दांया पैर कटवाना पड़ा। जिसके बाद उन्हें चलने-फिरने में काफी तकलीफ सहनी पड़ती थी। यह सोचकर कि अब मुझे एक पांव के सहारे ही पूरी जिन्दगी बितानी पड़ेगी बार-बार दुःखी हो जाते थे। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने से घर का गुजारा भी मुश्किल से हो पाता था। ऐसे में कृत्रिम पांव लगवाने का खर्च भी संभव नहीं था। लेकिन ईश्वर ने उनकी सुन ली। माता-पिता को कोलकाता में 26 नवंबर, 2023 को संस्थान के निःशुल्क कृत्रिम अंग माप शिविर के बारे में सूचना मिली, जो सौरभ के सूने जीवन में रोशनी के समान थी। शिविर में आने पर पांव का माप लिया गया। करीब 45 दिन बाद 2 मार्च 2024 को उनके कृत्रिम पैर लगाया गया। जो हल्का और सुविधायुक्त था। पैर पहनते ही सौरभ खुशी से झूम उठे। अब कृत्रिम पांव की सहायता से वे अपने पैरों पर खड़े होकर आराम से चल-फिरते हैं।

रायपुर में 1500 दिव्यांगों को कृत्रिम अंग का उपहार

संस्थान के तत्वावधान में 17 मार्च को दादाबाड़ी, रायपुर में आयोजित निःशुल्क ऑपरेशन जांच-चयन और कृत्रिम अंग व केलिपर्स माप केम्प का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री श्री विजय कुमार शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि दिव्यांगों को शारीरिक, सामाजिक, आर्थिक एवं बौद्धिक रूप से सशक्त बनाने में संस्थान के जो प्रयास हैं वे अनुकरणीय हैं।

प्रारम्भ में संस्थान की ओर से शिविर संयोजक रोहित तिवारी व जसबीर सिंह, हरिप्रसाद लड्ढ़ा, लालसिंह भाटी ने मुख्य अतिथि और मंचासीन विशिष्ट अतिथि सर्वश्री सीताराम अग्रवाल, लोकेश चन्द्रकान्त जैन, विजय कांकरिया, अभय भंसाली, प्रेम शंकर गोटिया, संजय पारख, स्वामी राजेश्वरानन्द, दीपक अग्रवाल, कु. मीरा राव, ओम प्रकाश निगम, राजिन्द्र

कुमार सीकरी, राजेन्द्र कुमार वर्मा और योगेश गुप्ता का स्वागत-सम्मान किया।

शिविर में 1500 से अधिक दिव्यांग आए जिन्हें संस्थान की पीएंडओ टीम ने पूर्ण मनोयोग से देखा और 530 दिव्यांगों का नारायण आर्टिफिशियल लिंब और 250 जन का केलिपर्स लगाने के लिए मेजरमेंट लिया। करीब 100 से ज्यादा दिव्यांग रोगियों का चयन शल्य चिकित्सा हेतु भी किया गया। जिनकी उदयपुर में निःशुल्क सर्जरी होगी। कास्टिंग और मेजरमेंट के करीब 2 से 3 माह बाद नारायण लिम्ब पुनः रायपुर में शिविर कर पहनाए जाएंगे।

केम्प में छत्तीसगढ़ के कवर्धा, बिलासपुर, दुर्ग, बालोद, बेमेतरा व महासमुंद जिलों के अलावा उड़ीसा, मध्य प्रदेश और बंगाल से भी आए। सभी निःशक्तजन को संस्थान की ओर से निःशुल्क भोजन, चाय, अल्पाहार प्रदान किया गया।

शिविर में महात्मा राजेश चौहान, महंत मुकेश नाथ, लोकेश जैन, जयंत पटेल, संजय पारख, आरके वर्मा, गिरधर साहू, गोपाल सुलतानिया व आर.के. वर्मा भी मौजूद रहे। संचालन महिम जैन ने किया।

शिविर में भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति 2024, श्री ऋषभदेव मन्दिर ट्रस्ट, दादाबाड़ी रायपुर, भारतीय जैन संगठना छत्तीसगढ़, श्री दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप रायपुर, जय आनन्द युवा संघ रायपुर, रायपुर केरला समाजम, आरोग्य हॉस्पिटल शंकरनगर रायपुर, राजश्री इंटरप्राइजेज प्रा. लिमिटेड, श्री श्याम सेवाधारी महिला समिति, सत्यनारायण धर्मशाला ट्रस्ट रायपुर,महिला पतंजलि योग समिति, छत्तीसगढ़ प्रान्तीय महिला अग्रवाल संगठन, श्री मानव सेवा संस्थान मंगल भवन रायपुर, छत्तीसगढ़ गोंड समाज कल्याण समिति, छत्तीसगढ़ प्रदेश साहु संघ, अग्रवाल सभा रायपुर गुढ़ीयारी मोहल्ला समिति, छत्तीसगढ़ सर्व नाई समाज, मां खारून गंगा महाआरती महादेव घाट जन सेवा समिति रायपुर, राणाजी वेलफेयर फाउंडेशन रायपुर, श्री मंगलमय, अखंड ब्राह्मण समाज सेवा समिति छत्तीसगढ़, नवसृजन मंच छत्तीसगढ़, वसुधैव कुटुंबकम रायपुर, सार्थक क्रिएटिव ऑर्गनाइजेशन, छत्तीसगढ प्रदेश स्वास्थ्य नर्सिंग संगठन, स्पर्श एक कोशिश वेलफेयर फाउंडेशन एंड ट्रस्ट रायपुर, श्रीराम सेना, ऊँ मण्डली शिवशक्ति अवतार सेवा संस्थान के सदस्यों ने भी सेवाएं दी।

गतिमान हुई फिर गृहस्थी

देश के नगरों-कस्बों में मार्च-24 में संस्थान ने दानदाताओं के सहयोग से कैम्प लगाकर उन भाई-बहिनों को अत्याधुनिक मोड्यूलर हाथ-पांव प्रदान किए, जो दुर्घटनाओं में उनसे वंचित हो चुके थे। अब वे इन्हे पाकर रोजगार में पुनः सक्रिय होकर गृहस्थी का इंजन बन गए हैं।

इटारसी – रोटरी क्लब इटारसी (मप्र) के सौजन्य से 10 मार्च को राजकीय राठी हॉस्पीटल परिसर में नारायण लिम्ब एवं केलिपर्स फिटमेंट शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 118 निःशक्तजन का रजिस्ट्रेशन हुआ। इनमें से 90 के कृत्रिम हाथ-पांव व 53 को कैलिपर टेक्नीशियन श्री नरेश वैष्णव की टीम ने उनके माप के अनुसार पहनाए। मुख्य अतिथि अति. जिला कलेक्टर श्रीमती बबीता राठौड़ थीं। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री पंकज चोरे, नारायण चौरसिया, दीपक अग्रवाल, रामनाथ चोरे व श्रीमती पुष्पादेवी थीं। अतिथियों का स्वागत-सत्कार प्रभारी हरिप्रसाद लढ्ढा ने व आभार ज्ञापन सहायक सत्य नारायण मीणा ने किया।

सिरसा – जनता भवन, अनाज मंडी सिरसा (हरियाणा) प्रांगण में 10 मार्च को श्री भीम सिंगल परिवार के सहयोग से सम्पन्न शिविर में 100 निशक्तजन का पंजीयन हुआ। जिनमें से 52 के कृत्रिम हाथ-पांव व 42 को कैलीपर पहनाए गए। शिविर प्रभारी लाल सिंह भाटी के अनुसार मुख्य अतिथि तारा बाबा कुटिया के सेवक श्री गोविंद काण्डा थे। अध्यक्षता अग्रोहा विकास ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बजरंग दास जी गर्ग ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री निखिल तनेजा, अशोक तंवर, अश्विनी बंसल, भीम सिंगल, अनिल सर्राफ व अंजनी कानोडिया थे।

फिरोजाबाद – फिरोजाबाद (उप्र) क्लब लि. एवं लॉयन्स क्लब तथा श्री मुकेश जी गुप्ता के सहयोग से 13 मार्च को सम्पन्न शिविर में 14 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 20 को कैलीपर पहिनाए गए। मुख्य अतिथि महापौर श्रीमती कामिनी राठौड़ थीं। अध्यक्षता श्री विश्वदीप सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री राजेश्वर प्रसाद बंसल, अनिल गर्ग, सुनील बाधवा, शंकर गुप्ता, पंकज अग्रवाल व

श्रीमती मधु सिंह थीं। अतिथियों का सम्मान शिविर प्रभारी अखिलेश अग्निहोत्री ने व धन्यवाद ज्ञापन आगरा आश्रम प्रभारी राजमल शर्मा ने किया।

बाजीदपुर - श्री लक्ष्मी नारायण गौ सेवा ट्रस्ट के सहयोग से ग्राम बाजीदपुर, जिला फजिल्का (पंजाब) में 16 मार्च को सम्पन्न शिविर में 20 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 10 को कैलीपर प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि श्री राम-कृष्ण गौ-सेवा समिति के अध्यक्ष श्री सुभाष जी खन्ना थे। अध्यक्षता श्री सुरेन्द्र कुमारजी बत्रा ने की। विशिष्ट अतिथि प्रधान श्री बलदेव राज जी, समाजसेवी सर्वश्री पृथ्वीराज जी, शिशुपाल जी, मोड़ूराम जी व मंगलदत्त जी थे। संचालन शिविर प्रभारी श्री अखिलेश अग्निहोत्री ने किया।

नोएडा - नोएडा (उप्र) के सेक्टर- 62 में संस्थान द्वारा सैनिक इण्डस्ट्रीज प्रा. लि. के सौजन्य से सीएसआर के तहत 19 मार्च को सम्पन्न शिविर में पंजीकृत 115 दिव्यांगजन की जांच पी एण्ड ओ डॉ. अखिल भास्कर व वरिष्ठ टेक्नीशियन भंवर सिंह शेखावत ने कर निःशुल्क सर्जरी के लिए 15, कृत्रिम अंग के लिए 22, कैलीपर हेतु 32 का चयन किया। शिविर में अतिथियों द्वारा 12 ट्राई साइकिल, 15 वैशाखी जोड़ी व 5 व्हील चेयर का भी वितरण किया गया। मुख्य अतिथि सैनिक फूड कम्पनी के निदेशक श्री अपार रस्तोगी थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री वली अहमद, मुकेश कुमार, अमित ओझा, सुनील व सुमित कुमार मंचासीन थे। अतिथियों का स्वागत - सम्मान श्री अखिलेश अग्निहोत्री ने किया।

धामनगांव - हात फाउण्डेशन, धामनगांव (महाराष्ट्र) के सौजन्य से कृषि उत्पाद बाजार स्थित टीएमसी हॉल में 20 मार्च को सम्पन्न नारायण लिंब एवं कैलीपर्स फिटमेंट शिविर में पी एण्ड ओ टीम ने तकनीशियन किशन सुथार की देखरेख में 84 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 24 को उनके माप के अनुसार निर्मित कैलिपर पहनाए व चलने का अभ्यास करवाया। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक वीरेंद्र भाऊ जगताप थे। अध्यक्षता हात फाउण्डेशन के अध्यक्ष श्री सुजित भुजभुजे ने की । विशिष्ट अतिथि फाउण्डेशन सदस्य सर्वश्री दिनेश

वाघमारे, निलेश नांदणे व श्रीमती नेहा भुजभुजे थीं। अतिथियों का स्वागत भायंदर आश्रम प्रभारी श्री मुकेश सेन व संचालन शिविर प्रभारी मुकेश शर्मा ने किया।

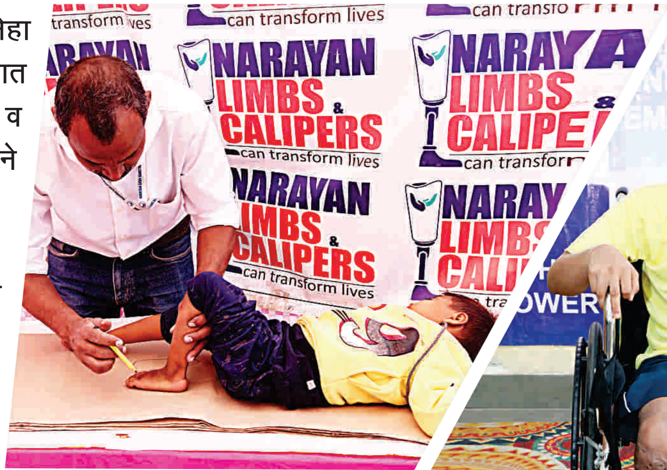

भोपाल – रोटरी क्लब भोपाल हिल्स एवं भोपाल मेला उत्सव समिति के सौजन्य से श्यामला हिल्स, मानस भवन में 27 मार्च को सम्पन्न शिविर में 119 दिव्यांग भाई-बहिनों को अत्याधुनिक कृत्रिम हाथ-पैर व 11 को कैलीपर पहिनाए गए। मुख्य अतिथि रोटरी क्लब की डिस्ट्रिक्ट गर्वनर डॉ. रितु ग्रोवर थीं। अध्यक्षता मानस भवन के अध्यक्ष श्री रघुनंदन शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में रोटरी क्लब के अध्यक्ष श्री कुणाल सिंघल, श्री हर्ष मित्तल, श्री सुनील जेनामिन व श्री मयंक जैन मंचासीन थे। अतिथियों का सम्मान शिविर प्रभारी श्री हरिप्रसाद लढ्ढा ने किया।

मेघनगर – रोटरी क्लब - अपना (मेघनगर) व रोटरी क्लब-आजाद (झाबुआ) के सौजन्य से महावीर भवन में 29 मार्च को आयोजित शिविर में संस्थान के पी एण्ड ओ डॉ. अखिल भास्कर उपाध्याय व वरिष्ठ टेक्नीशियन श्री नाथू सिंह शेखावत के निर्देशन में 34 दिव्यांगजन को कृत्रिम हाथ-पैर व 13 को कैलीपर पहना कर चलने का अभ्यास करवाया गया। मुख्य अतिथि पत्रकार श्री राजेन्द्र सोनगरा थे। अध्यक्षता समाजसेवी श्री मांगीलाल खमेसरा ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री रवि मेहता, श्रीमती चंदनबाला शर्मा, श्रीमती माया शर्मा, डॉ. जीतू मोढ़या व श्री भरत मिस्त्री थे।

करनाल – कम्युनिटी सेंटर सेक्टर-7 करनाल (हरियाणा) में संस्थान की कैथल एवं करनाल शाखाओं के तत्वावधान में 31 मार्च को नारायण लिंब एवं कैलीपर फिटमेंट शिविर आयोजित हुआ। जिसमें 62 दिव्यांगजन को टेक्नीशियन श्री भंवर सिंह शेखावत की टीम ने कृत्रिम हाथ-पैर व 18 को कैलीपर पहनाए। मुख्य अतिथि श्री संजय भढला थे। अध्यक्षता उप महापौर करनाल श्री राजेश अधी ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री मुकेश अरोड़ा, बी.बी पावा, गीत प्रकाश, कैथल शाखा के संरक्षक सतपाल मंगला, सेवा संयोजक कैथल डॉ. विवेक गर्ग व सेवा संयोजक करनाल डॉ. सतीश पाराशर थे। अतिथियों का स्वागत-सम्मान शिविर प्रभारी श्री लाल सिंह भाटी ने किया।

कृत्रिम अंग शिविर विशाखापट्टनम में 450 दिव्यांगों का मेजरमेंट संस्थान द्वारा विशाखापट्टनम के विश्वनाद कंवेशन, पोर्ट स्टेडियम में 7 अप्रैल को निरूशुल्क अ२परेशन जांच-चयन और कृत्रिम अंग व केलिपर्स माप केम्प आयोजित हुआ। पूर्व विधायक श्री विष्णु कुमार राजू जी ,गीतम यूनिवर्सिटी चेयरमैन श्री भरत कुमार जी व राष्ट्रीय स्वयं सेवक के श्री वेंकेट रमणा जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। संस्थान के महागंगोत्री विभाग प्रभारी श्री रजत गौड़ ने अतिथियों का अभिनंदन किया और संस्थान की 39 वर्षीय सेवाओं की जानकारी देते हुए आगामी 5 वर्ष का विजन प्रस्तुत किया। शिविर में स्थानीय 25 से ज्यादा समाजसेवी और धार्मिक संगठनों ने भी सेवाएं दी। शिविर में 700 से अधिक दिव्यांग आए जिनकी संस्थान पीएंडओ डॉ. अंकिता एवं डॉ. रामनाथ ठाकुर की टीम ने जांच की और 390 का नारायण आर्टिफिशियल लिंब और 28 जन का केलिपर्स के लिए मेजरमेंट लिया। पचास से ज्यादा दिव्यांगों का चयन शल्य चिकित्सा हेतु भी किया गया। शिविर में हैदराबाद,झारखंड़ तिकृपति, विजयनगर से भी दिव्यांग पहुंचे।

संस्थान के सम्बल

स्व. श्री राजमल जी 'एस.' जैन
चेयरमैन, भैरव नेत्र यज्ञ समिति,बिसलपुर, पाली (राज.)

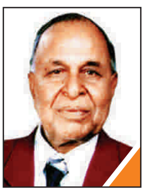

स्व. डॉ. आर.के. अग्रवाल
विख्यात
कैंसर रोग विषेशज्ञ

स्व. श्री पी.जी. जैन
गौरेगांव/हरियामाली
(सोजत रोड़)

स्व.श्री चैनराज जी लोढा
मुम्बई/घाणेराव
(पाली)

प्रेरणा स्त्रोत

स्व. आचार्य श्रीराम जी शर्मा एवं भगवती देवी जी

स्व. श्री मदन लाल जी एवं मातुश्री सोहिनी देवी जी

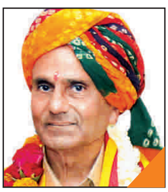

संस्थान के परम संरक्षक
श्री रमेश भाई चावड़ा
(यू.के.)

जीम पर जगमगाए 'नन्हें सितारें'

नारायण चिल्ड्रन एकेडमी का 7वाँ रंगारंग वार्षिक समारोह 'नन्हें सितारे' 23 मार्च को सेवामहातीर्थ के खुले प्रागंण में उत्साह व उमंग के साथ सम्पन्न हुआ। संस्थान संस्थापक पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' व गुरूमाता श्रीमती कमला देवी जी के सानिध्य में आयोजित इस भव्य आयोजन के मुख्य अतिथि आलोक संस्थान के निदेशक डॉ. प्रदीप कुमावत थे। अध्यक्षता जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान की प्राचार्य समकक्ष डॉ. बृजबाला शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री इन्द्र जी-प्रिया जी पुनवानी स्पेन, श्री विन्सेंट, इसाबेल फ्रांस, श्रीमती हंसाबेन मकवाना मुम्बई, श्रीमती लता जी व सपना जी यूके, तथा बड़ी के सरपंच श्री मदन पंडित व पूर्व सरपंच श्री प्रताप सिंह मंचासीन थे।

अतिथियों ने शैक्षिक-सहशैक्षिक प्रवृत्तियों में वर्ष भर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 50 से अधिक प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। एकेडमी की प्राचार्य अर्चना गोवलकर ने वार्षिक प्रतिवेदन

प्रस्तुत किया। बच्चों ने इन्द्रधनुषी छटा से जगमगाते मंच पर अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने एक नृत्य-नाटिका के माध्यम से मतदान जागरूकता का संदेश भी दिया। आरंभ में संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने अतिथियों व अभिभावकों का स्वागत करते हुए बताया कि इस विद्यालय में पढ़ने वाले सभी 700 विद्यार्थी आसपास गांवों के किसानों और दिहाड़ी श्रमिकों के बच्चे हैं। यहां उन्हें निःशुल्क अधुनातन शिक्षा प्रदान कर इनके सुखद भविष्य को संवारने का प्रयास हो रहा है। इस विद्यालय की स्थापना 31 जुलाई 2015 में की गई। शिक्षा के साथ इन्हें भारतीय संस्कार मिले, यही हमारा उद्देश्य है।

मुख्य अतिथि प्रदीप कुमावत ने कहा कि ग्रामीण प्रतिभाओं को तराशने का यहां जो काम हो रहा है, वह भारत के विकास की यात्रा का भी अहम हिस्सा है। इस संस्था में आने वाले के हृदय में स्वतः दूसरों के प्रति सेवा का भाव जाग्रत हो जाता है। उन्होंने संस्थान के शुरूआत की एक मुठ्ठी आटे की कहानी का भी जिक्र किया। डॉ. बृजबाला शर्मा ने कहा कि उनका प्रशिक्षण केंद्र एकेडमी और बच्चों के शैक्षिक विकास में हर प्रकार के योगदान के लिए प्रस्तुत है। अभिभावकों व शिक्षकों पर बच्चों को सही मार्ग की ओर प्रेरित करने की बड़ी जिम्मेवारी है। मंच संचालन सुश्री पलक अग्रवाल के निर्देशन में एकेडमी के विद्यार्थी दृष्टि डांगी, लक्ष्य कुमार व महिपाल सिंह ने आकर्षक शब्दावली से किया।

होलिका दहन – रंगोत्सव

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्थान में रंगों का त्योहार हर्षोल्लास से मनाया गया। सेक्टर - 4 स्थित मानव मंदिर प्रांगण व बड़ी के सेवामहातीर्थ में होलिका दहन का भव्य आयोजन हुआ। जिनमें देश के विभिन्न राज्यों से दिव्यांगता सुधारात्मक निःशुल्क सर्जरी के लिए आए निःशक्तजन व उनके परिजनों ने भाग लिया और अपनी-अपनी परम्परा से होलिका पूजन किया। दूसरे दिन साधकों ने संस्थापक-चेयरमैन पूज्य गुरुदेव कैलाश जी मानव, गुरूमाता श्रीमती कमला जी अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया-वंदना जी के सानिध्य में उत्साह पूर्वक रंगोत्सव मनाया। इस दौरान बाहर से आने वाले निःशक्तजन व उनके परिजनों ने होली के क्षेत्रीय पारम्परिक गीतों से समा बांध दिया। दिव्यांगों व आवासीय विद्यालय के बच्चों ने एक-दूसरे पर अबीर-गुलाल मलकर शुभकामनाएं दी व मुंह मीठा करवाया।

झीनी झीनी रोशनी–60

कैलाश जी की अब और कुछ बोलने की हिम्मत नहीं हुई, वह अपने आप को ही कोसने लगे कि घर से खुल्ले पैसे ही लाने थे, अब कोई चारा भी नहीं था। वह बस में बैठ गए और इन्तजार करने लगे कि कब उदयपुर आये और कब कन्डक्टर से बाकी के पैसे मांगे।

थोड़ी ही देर में बस रवाना हुई। कैलाश जी की निगाहें कन्डक्टर पर ही टिकी हुई थी। बस थोड़ी आगे बढ़ी कि कन्डक्टर, ड्राइवर के पास बोनट पर जाकर बैठ गया। उसने बीड़ी सुलगा ली और फकाफक कश लगाने लगा। दो तीन कश के बाद उसने बीड़ी ड्राइवर को थमा दी। अब एक ही बीड़ी बारी-बारी से पीते दोनों बातें करते रहे थे, ड्राइवर बीड़ी पीता तब एक हाथ से स्टियरिंग चलाता। इसी दौरान अचानक बस अनियंत्रित हो गई, सभी सवारियां घबरा गई। कैलाश जी यह सब देख रहे थे और मन ही मन क्रोधित हुए जा रहे थे । जब शेष सवारियों का भी आक्रोश देखा तो उनमें हिम्मत आ गई और वे खड़े होकर बोल उठे कि गाड़ी चलाते वक्त कृपा करके बीड़ी मत पीजिये।

कैलाश जी ने यह बात ड्राइवर को कही थी मगर कन्डक्टर ने उन्हें डांट दिया और अपशब्द कहने लगा। कैलाश जी को डर लगा कि अब यह बाकी पैसे लौटाने से इन्कार तो नहीं कर देगा। कन्डक्टर के जोर-जोर से बोलने से बाकी सवारियां भी चुप हो गई, किसी ने कैलाश जी का पक्ष नहीं लिया। कन्डक्टर उस बन्दूकधारी पोस्ट मास्टर की तरह जय श्री हनुमान बोलने का आदी था। गाली-गलौज के बीच भी जय श्री हनुमान का नाम लेना नहीं भूलता था। कैलाश जी को क्या पता था कि इस कन्डक्टर की तरह ही भविष्य में बात-बात पर ओम नमः शिवाय बोलने वाले ऐसे ही किसी खूंखार व्यक्ति से उनका सामना होगा।

बस थोड़ी सी आगे बढ़ी कि उसका एक टायर पंचर हो गया। ड्राइवर बस को एक तरफ खड़ी करके कहीं चला गया, कन्डक्टर भी उसके पीछे पीछे हो लिया। बस की अधिकांश सवारियां नीचे उतर गई और टायर बदले जाने का इन्तजार करने लगी। थोड़ी ही देर में दोनों सामने आते नजर आये तो सबको आस बंधी कि अब टायर बदला जाएगा, मगर दोनों एक जगह बैठ कर बीड़ी पीने लगे। एक यात्री को उदयपुर पहुँचने की जल्दी थी, उसने इनसे मिन्नत की कि टायर जल्दी बदल दो, उसे समय पर पहुँचना है। कन्डक्टर ने अपने मुँह से एक साथ ढेर सारा धुआं छोड़ते हुए कहा-गाड़ी-घोड़ा है भाई, चलते-चलते ही चलेगा।

भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514, लॉडिंज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811, ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द,पो.-गोसाई बलिया,जिला-हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी,मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर, भूलीनगर

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं पो. इन्गोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ोताल, जिला - जबलपुर

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6, ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा, जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर
रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलॉं, होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714, बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878,108 अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657, कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
डॉ. सतीश शर्मा,मो. 09416121278
ओपीपी. गली नंबर 19, गोविंद डेयरी मेन रोड करण विहार
नियर मेरठ रोड
करनाल 132001

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर,मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट-133001

श्रीमान अजीत कुमार जी
शास्त्री (क्लॉथ मर्चेन्ट)
9416367996
चन्द्रभान वाली गली, गांव व पोस्ट-शहजादपुर
तहसील-नारायणगढ़
जिला-अम्बाला-134202

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जीन्द

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2 क्रोस रोड़,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम, पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंग्लो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला-बरेली

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया, जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705
बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट, गजरौला, अमरोहा-244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी
अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भद्रवा, डोडा

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
07073452174, 09529920088
07073474438, फ्लेट नं. 5/ई
सुनील कुमार डोकानिया, न्यु ओस्वाल ओनिक्स, जैसल पार्क, भायन्दर ईस्ट थाने, 401105

पूणे
09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर
08306004821
जूनी बागर, महामन्दिर जोधपुर (राज) 342001

कोटा
07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-वी-5 तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर, त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक, लश्कर,ग्वालियर 474001

हरियाणा

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936 जीए,गली नं.-10,राजीव नगर ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ. केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
7727868019,मकान न. 2249, सेक्टर-14,हिसार 125005

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी, बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,मकान नं.- 216, बांगुर एवेन्यू, ब्लॉक-बी, ग्राउण्ड फ्लोर, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) पिन कोड-700055

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज
09351230393, म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ
08306004811, 38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ
09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम, डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर आलम बाग, लखनऊ

पंजाब

लुधियाना
07023101153
381/382, बी-17, गुलाटी डांस क्लास के पास, भारत नगर, लुधियाना 141001

चण्डीगढ़
7073452176, 8949621058
मकान नंबर 3468 ग्राउंड फ्लोर, सेक्टर - 46-सी, चंडीगढ़ (पिन कोड - 160047)

गुजरात

सूरत
09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
मो.: 9529920081 म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोड़िया रोड, वडोदरा -390019

दिल्ली

रोहिणी
08588835718
08588835719
नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232 शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8 रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156
07023101167
सी1/212, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

विकासपुरी, नई दिल्ली
09257017592,मकान नं. 342 ब्लॉक-सी, मद्रासी मन्दिर के पास विकासपुरी 110018

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरैपी सेन्टर

उत्तर प्रदेश

हाथरस
07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07073474438, नारायण सेवा संस्थान 68-डी, राधिका धाम के पास, कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48 विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

मध्य प्रदेश

इन्दौर
09529920087,12, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर-452018

दिल्ली

फतेहपुरी
08588835711, 07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा
बी-85, ज्योति कोलोनी, दुर्गापुरी चौक, शाहदरा

उत्तर प्रदेश

गाजियाबाद
(1) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावाला, दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435
श्रीमती शीला जैन निःशुल्क फिजियोथेरपी सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

लोनी
07023101163
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

आगरा
07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स कॉलोनी,नियर पानी की टंकी के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080, 6375387481
आशीष नगर सोसायटी अभिषेक सोसायटी के पास मीना बाजार चार साला मेघानीनगर अहमदाबाद गुजरात 380016

राजकोट
09529920083, बी-33, शिव शक्ति कोलोनी, जेटको टावर के सामने, यूनिवर्सिटी रोड, राजकोट 360005

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साईं लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2 श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल, नियर पदमा सिटी माल, करनाल रोड, कैथल

राजस्थान

जयपुर
9529920089, बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी , संतोषी माता मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनाएं यादगार....

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000 रू.	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000 रू.
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000 रू.	13 ऑपरेशन के लिए	52,500 रू.
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000 रू.	5 ऑपरेशन के लिए	21,000 रू.
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000 रू.	3 ऑपरेशन के लिए	13,000 रू.
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000 रू.	1 ऑपरेशन के लिए	5,000 रू.

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग एवं निर्धनों के लिए सहयोग हेतु मदद)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000 रू.
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000 रू.
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000 रू.
नाश्ता सहयोग राशि	7,000 रू.

दुर्घटनाग्रस्त एवं दिव्यांगों को दें कृत्रिम अंग का उपहार

वस्तु	एक नग सहयोग	तीन नग सहयोग	पांच नग सहयोग	ग्यारह नग सहयोग
तिपहिया साईकिल	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.
व्हील चेयर	4,000 रू.	12,000 रू.	20,000 रू.	44,000 रू.
कैलिपर	2,000 रू.	6,000 रू.	10,000 रू.	22,000 रू.
वैशाखी	500 रू.	1,500 रू.	2,500 रू.	5,500 रू.
कृत्रिम अंग (हाथ–पैर)	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.

गरीब को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल/कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रतिशक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 7,500 रू.	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 22,500 रू.
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 37,500 रू.	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 75,000 रू.
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 1,50,000 रू.	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 2,25,000 रू.

शिक्षा से वंचित आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने मे करें मदद

एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	1,100 रू.
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000 रू.
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000 रू.

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI
Google Pay PhonePe Paytm
narayanseva@sbi

अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान के नाम से संस्थान के खाते में जमा करवाकर हमें सूचित करें

प्राकृतिक वादियों के बीच प्राकृतिक चिकित्सा

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

◂ एक बार अवश्य पधारें

राजस्थान का कश्मीर कही जाने वाली झीलों की नगरी उदयपुर से 15 कि.मी दूर अरावली पर्वतमाला की सुरम्य वादियों के आंचल में लियों का गुड़ा गांव स्थित नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ परिसर में नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान कर रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे तथा इन रोगों को अपनी नियती मानकर अभिशप्त जीवन जी रहे थे। ऐसे ही निराश महानुभावों को संस्थान में पधार कर स्वास्थ लाभ लेने का सादर आमंत्रण है।

Tel. : +91 294 6622222
+91 7023509999
E-mail: narayanseva.org

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय: 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत

Seva Soubhagya Print Date 1 May, 2024 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-